Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences | 2014 | Volume 03 | Issue 01 | Pages 01-04
https://bijhss-university-journal.in/en

Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences

Research Article

चयनित भारतीय कंपनियों में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्टिंग की गुणवत्ता: निदेशक मंडल की स्वतंत्रता, लाभप्रदता और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय की भूमिका

Corporate Social Responsibility Reporting Quality in Selected Indian Companies: The Role of Board Independence, Profitability, and CSR Expenditure

Prof. Sandeep Mangal[1]

[1]Assistant Professor in Commerce,Panjab University Constituent College, Nihal Singh Wala, Moga, Punjab.
Email: sandeep.228@yahoo.com

***Correspondence:** sandeep.228@yahoo.com

Submitted: 16 Feb 2014 | Revised: 11 March 2014 | Accepted: 27 April 2014 | Published: 05 May 2014

सारांश: f कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कंपनियों को सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक सरोकारों को अपनी रणनीति, निर्णय-प्रक्रिया और व्यावसायिक गतिविधियों में शामिल करने का एक माध्यम प्रदान करता है। यह अन्वेषणात्मक अध्ययन कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और कॉर्पोरेट सततता से संबंधित साहित्य की समीक्षा के आधार पर भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्यरत चार चयनित कंपनियों—टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), कोका-कोला इंडिया, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और विप्रो—की सीएसआर पहलों तथा उनके बारे में किए गए प्रकटीकरण का वर्णनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन का उद्देश्य इन पहलों के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना और यह समझना है कि कंपनियाँ अपनी सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को किस प्रकार प्रस्तुत करती हैं।. विश्लेषण में शिक्षा, सामुदायिक विकास, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और जल प्रबंधन सीएसआर गतिविधियों के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में सामने आए। अध्ययन में समुदायों के बीच सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के कंपनी-स्तरीय प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है। भविष्य के शोध में निदेशक मंडल की स्वतंत्रता, लाभप्रदता और सीएसआर व्यय को संभावित व्याख्यात्मक चरों के रूप में लेकर सीएसआर रिपोर्टिंग की गुणवत्ता के साथ उनके संबंध की जाँच की जा सकती है।

प्रमुख शब्द — कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, सीएसआर रिपोर्टिंग, कॉर्पोरेट सततता, सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रकटीकरण, भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र।

Abstract: Corporate social responsibility (CSR) provides a means for companies to integrate social, environmental, and economic concerns into their strategies, decision-making, and operations. Drawing on the literature on CSR and corporate sustainability, this exploratory study examines the CSR initiatives and related disclosures of four companies operating in India: Tata Consultancy Services (TCS), Coca-Cola India, Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL), and Wipro. The study identifies the main areas of CSR activity and describes how the selected companies communicate their social and environmental priorities. The descriptive analysis identifies education, community development, healthcare, environmental protection, energy conservation, waste management, and water management as the main areas of CSR activity across the selected companies. It also documents company efforts to raise awareness of social responsibility among the communities they serve. Future research could build on these descriptive findings by developing a CSR reporting quality index and examining its associations with board independence, profitability, and CSR expenditure.

Keywords: Corporate social responsibility, CSR reporting, corporate sustainability, social and environmental disclosure, Indian corporate sector.

1. प्रस्तावना

कंपनियाँ श्रम, प्राकृतिक संसाधनों, उपभोक्ताओं और स्थानीय समुदायों पर निर्भर करती हैं। उनके संचालन से इन समूहों और संसाधनों पर प्रभाव भी पड़ता है। सीएसआर इन प्रभावों को समझने और उनके प्रति जवाबदेही को कंपनी की नीतियों तथा कार्यप्रणाली में शामिल करने का एक तरीका है। इसके अंतर्गत कर्मचारी, ग्राहक, निवेशक, आपूर्तिकर्ता, स्थानीय समुदाय और सार्वजनिक संस्थाएँ प्रमुख हितधारक हैं।

भारत में सीएसआर की चर्चा में सामुदायिक कल्याण और परोपकार के साथ-साथ श्रम मानक, पर्यावरण प्रबंधन, संसाधन दक्षता और सार्वजनिक प्रकटीकरण भी शामिल रहे हैं। मूल लेख में व्यावसायिक प्रतिष्ठा, उपभोक्ता विश्वास, कर्मचारी संतुष्टि, परिचालन दक्षता तथा नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को सीएसआर अपनाने की संभावित प्रेरणाओं के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ तथा उद्योग संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं के बीच साझेदारियाँ भी कंपनियों की प्राथमिकताओं को प्रभावित कर सकती हैं। चार मामलों का अध्ययन इन प्रेरणाओं के वित्तीय प्रभाव का अनुमान लगाने के बजाय कार्यक्रमों और उनके दस्तावेज़ीकरण पर केंद्रित है।

© 2014 By the Authors. This Open Access Article Was Published Under a Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/).

2. वैचारिक आधार

2.1 सीएसआर के आयाम

आर्थिक और परिचालन आयाम में सीएसआर नीति, जिम्मेदार आपूर्ति शृंखला, हितधारकों की भागीदारी, पारदर्शिता और स्वतंत्र सत्यापन शामिल हैं। सामाजिक आयाम में मानवाधिकार, श्रम परिस्थितियाँ, उपभोक्ता संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों के प्रति दायित्व आते हैं। पर्यावरणीय आयाम ऊर्जा, जल, अपशिष्ट, प्राकृतिक संसाधन, जैव विविधता और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी के प्रबंधन से संबंधित है।

कैरल (1991) ने कॉर्पोरेट जिम्मेदारियों को आर्थिक, कानूनी, नैतिक और परोपकारी श्रेणियों में व्यवस्थित किया। यह वर्गीकरण कंपनी की आर्थिक व्यवहार्यता, औपचारिक अनुपालन, नैतिक आचरण और सामुदायिक योगदान को अलग-अलग समझने में सहायक है।

2.2 सीएसआर और कॉर्पोरेट सततता

कॉर्पोरेट सततता व्यावसायिक गतिविधियों के दीर्घकालिक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय परिणामों पर केंद्रित है। सीएसआर इस व्यापक उद्देश्य से जुड़ता है जब कंपनी सामाजिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को संचालन, निवेश तथा हितधारकों के साथ संवाद में शामिल करती है। रिपोर्टिंग इन प्राथमिकताओं, निर्धारित लक्ष्यों, किए गए व्यय और दर्ज परिणामों को पाठकों के सामने रखने का माध्यम है। खर्च की राशि, कार्यक्रम की पहुँच और समुदाय की स्थिति में परिवर्तन अलग-अलग प्रकार के संकेतक हैं। उदाहरण के लिए, किसी स्वास्थ्य शिविर में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या कार्यक्रम की पहुँच बताती है। स्वास्थ्य में सुधार के आकलन के लिए अनुवर्ती मापन की आवश्यकता होती है।

3. उद्देश्य, दायरा और पद्धति

मूल अध्ययन के दो प्रमुख उद्देश्य थे। पहला, सीएसआर की अवधारणा और संगठनों के लिए उसके महत्व को स्पष्ट करना। दूसरा, टीसीएस, बीएचईएल, कोका-कोला इंडिया और विप्रो की सीएसआर गतिविधियों को कॉर्पोरेट सततता के संदर्भ में समझना।

लेखक ने शोध अवधि 2009–2012 बताई है। अध्ययन में अकादमिक और व्यावसायिक साहित्य, पुस्तकों, श्वेतपत्रों तथा कंपनी की वार्षिक एवं सततता रिपोर्टों का ऐतिहासिक और वर्णनात्मक परीक्षण किया गया। प्रत्येक कंपनी को एक अलग मामले के रूप में देखा गया। कुछ पहलों की शुरुआत शोध अवधि से पहले हुई थी। इसलिए कार्यक्रम की आरंभ तिथि, रिपोर्ट की अवधि और शोध अवधि को अलग-अलग पढ़ना आवश्यक है। इस रूपांतरण में मामलों को पहल के विषय, क्रियान्वयन के तरीके और रिपोर्ट में दिए गए संकेतकों के आधार पर प्रस्तुत किया गया है।

4. कंपनियों के मामले

4.1 टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस)

टीसीएस ने शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा। शिक्षा संबंधी कार्यों में वयस्क साक्षरता, युवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण तथा संसाधन-वंचित विद्यालयों में स्वयंसेवी सहयोग शामिल थे। स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों में अस्पताल प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता, स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा, नेत्र और दंत शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता तथा रक्तदान अभियान शामिल थे।

कंपनी ने किसानों को स्थानीय भाषाओं में विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल-आधारित **mKRISHI** सेवा विकसित की। आवाज़ के माध्यम से प्रश्न दर्ज करने की सुविधा से लिखित पाठ का उपयोग करने में कठिनाई वाले किसानों तक पहुँच बढ़ाने का प्रयास किया गया। मूल लेख ने 2010–11 में आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, पंजाब और उत्तर प्रदेश में सेवा के उपयोग का उल्लेख किया है। पर्यावरण के क्षेत्र में टीसीएस ने हरित सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय पदचिह्न के आकलन, हरित लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा प्रबंधन से जुड़ी सेवाएँ विकसित कीं।

मूल लेख में उद्धृत कंपनी रिपोर्टों के अनुसार, वित्त वर्ष 2010–11 में सीएसआर पहलों पर 66 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च किए गए। कर्मचारियों और उनके परिवारों ने 55,068 से अधिक स्वयंसेवी घंटे दिए। वित्त वर्ष 2011 के दौरान 24 रक्तदान अभियानों में 3,498 सहयोगियों की भागीदारी दर्ज की गई।

4.2 भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल)

बीएचईएल की गतिविधियों में उसके संयंत्रों और परियोजना स्थलों के आसपास के समुदायों पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रमों में शिक्षा, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता, स्वरोज़गार, बुनियादी ढाँचे का विकास, आपदा सहायता और पर्यावरण संरक्षण शामिल थे। कंपनी ने अनाथालयों, वृद्धाश्रमों और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों तथा न्यासों को भी सहायता दी।

कंपनी के पर्यावरण और कार्यस्थल संबंधी विवरण में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के विकास, संसाधन संरक्षण और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर बल दिया गया। बीएचईएल की स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति में लागू नियमों का पालन, प्रबंधन प्रणालियों की समय-समय पर समीक्षा और कर्मचारियों, ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाना शामिल था। मूल लेख ने संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट में कंपनी की भागीदारी का भी उल्लेख किया है। इस मामले में विवरण मुख्यतः गतिविधियों और नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है।

4.3 कोका-कोला इंडिया

कोका-कोला इंडिया ने अपनी सततता प्राथमिकताओं को **Live Positively** कार्यक्रम के अंतर्गत रखा। इसमें सक्रिय जीवनशैली, पेय उत्पादों से जुड़े लाभ, जलवायु संरक्षण, समुदाय, सतत पैकेजिंग, जल प्रबंधन और कार्यस्थल शामिल थे। स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था, कक्षाओं का निर्माण या मरम्मत, कंप्यूटर तथा शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना इसकी सामुदायिक पहलों में शामिल थे। कंपनी ने जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता के लिए कार्यशालाओं, शैक्षिक सामग्री और स्थानीय साझेदारियों का उपयोग किया।

मूल लेख के अनुसार, 2008 में कंपनी ने राजस्थान के चौमूँ में किसानों, कृषि विज्ञान केंद्र और बॉटलिंग साझेदारों के साथ टपक सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए एक परियोजना शुरू की। रिपोर्ट में जल बचत और कृषि उत्पादन में सुधार का उल्लेख है। भारतीय फुटबॉल महासंघ के साथ 2009 में आयोजित जमीनी स्तर की प्रतियोगिताएँ युवाओं की भागीदारी से जुड़ा एक और उदाहरण थीं। जनवरी 2010 में लागू **KORE** प्रबंधन प्रणाली ने पेय गुणवत्ता और सुरक्षा, पर्यावरणीय प्रदर्शन तथा व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को परिचालन स्तर पर संबोधित किया।

4.4 विप्रो

विप्रो ने शिक्षा, सामुदायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन पर ध्यान दिया। स्कूल शिक्षा में सुधार के लिए **Wipro Applying Thought in Schools** पहल ने 700 से अधिक विद्यालयों के साथ काम किया। **Wipro Cares** के अंतर्गत तीन स्वास्थ्य परियोजनाओं ने 25 से अधिक गाँवों में स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग दिया। **संजीवनी** परियोजना का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाना, स्थानीय लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य का प्रशिक्षण देना और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को टिकाऊ बनाना था।

जल प्रबंधन में कंपनी ने जल उपयोग की दक्षता, जल संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी और जल सुरक्षा को प्राथमिकताएँ बनाया। ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्चुअल कंप्यूटिंग, यात्रा के विकल्प और परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स में सुधार जैसे उपाय अपनाए गए। मूल लेख में उद्धृत कंपनी रिपोर्ट के अनुसार, 2004 से 2010 के बीच परिचालन ऊर्जा दक्षता में कुल 20 प्रतिशत सुधार हुआ। कंपनी ने 83 प्रतिशत अपशिष्ट के पुनर्चक्रण की सूचना दी और लगभग 17 प्रतिशत के शेष हिस्से को 2013 तक 5 प्रतिशत तक घटाने का लक्ष्य रखा। यह अंतिम आँकड़ा लक्ष्य को दर्शाता है। कंपनी ने बेंगलुरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी परिसर से जैव विविधता पर आधारित परिसर विकास की पहल भी शुरू की।

5. तुलनात्मक विश्लेषण

कंपनी	प्रमुख विषय	मूल लेख में दिए गए प्रकटीकरण के उदाहरण
टीसीएस	शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि परामर्श और पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी	सीएसआर व्यय, स्वयंसेवी घंटे, रक्तदान अभियानों की संख्या और भागीदारी
बीएचईएल	स्थानीय विकास, चिकित्सा सहायता, स्वरोज़गार और पर्यावरणीय प्रबंधन	कार्यक्रमों की श्रेणियाँ तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति
कोका-कोला इंडिया	पेयजल, सिंचाई, स्कूल सुविधाएँ और युवा खेल	जल संरक्षण साझेदारी, स्कूल कार्यक्रम और परिचालन सुरक्षा मानक
विप्रो	शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, जल, ऊर्जा और अपशिष्ट	विद्यालयों और गाँवों तक पहुँच, ऊर्जा दक्षता, पुनर्चक्रण और भावी लक्ष्य

चार मामलों में शिक्षा, सामुदायिक विकास और पर्यावरण बार-बार सामने आते हैं। इनके कार्यान्वयन में क्षेत्रगत भिन्नता दिखाई देती है। टीसीएस के मामले में डिजिटल सेवाओं और कर्मचारी स्वयंसेवा का उपयोग प्रमुख था। बीएचईएल ने औद्योगिक स्थलों के आसपास की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया। कोका-कोला इंडिया ने जल संरक्षण और जल तक पहुँच से जुड़े कार्यक्रमों पर बल दिया। विप्रो के विवरण में स्कूल शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य और परिचालन दक्षता के संकेतक प्रमुख थे।

कंपनी रिपोर्टों की तुलना करते समय मापन इकाई, समयावधि और संगठनात्मक सीमा महत्वपूर्ण हैं। स्वयंसेवी घंटे श्रम योगदान दर्शाते हैं, विद्यालयों की संख्या कार्यक्रम की पहुँच दर्शाती है और ऊर्जा दक्षता का प्रतिशत परिचालन परिवर्तन दर्शाता है। इन संकेतकों को अलग रखने से प्रकटीकरण की व्याख्या स्पष्ट होती है।

6. अध्ययन की सीमाएँ और भावी शोध के लिए प्रस्तावित चर

यह विश्लेषण चार चयनित मामलों और ऐतिहासिक दस्तावेज़ों पर आधारित है। उपलब्ध सामग्री का बड़ा भाग कंपनियों की अपनी रिपोर्टिंग है। इसलिए उसमें वर्णित गतिविधियों और संख्याओं को कंपनी-प्रकाशित दावों के रूप में पढ़ना उचित है। सीमित नमूने और अलग-अलग संकेतकों के कारण पूरे भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र पर निष्कर्ष लागू करने या कार्यक्रमों के कारणात्मक प्रभाव का आकलन करने की गुंजाइश सीमित है।

भूमिका	प्रस्तावित चर	संभावित मापन
आश्रित चर	सीएसआर रिपोर्टिंग की गुणवत्ता	उद्देश्य, व्यय, पहुँच, परिणाम, तुलना के आधार और स्वतंत्र सत्यापन के प्रकटीकरण पर आधारित सूचकांक
व्याख्यात्मक चर	निदेशक मंडल की स्वतंत्रता	मंडल में स्वतंत्र निदेशकों का अनुपात
व्याख्यात्मक चर	लाभप्रदता	कुल परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए)
व्याख्यात्मक चर	सीएसआर व्यय की तीव्रता	वास्तविक सीएसआर व्यय का कुल परिसंपत्तियों से अनुपात

इन चरों का उपयोग भविष्य के अध्ययन में कंपनी-वर्ष को विश्लेषण की इकाई बनाकर किया जा सकता है। तुलनीय निष्कर्षों के लिए समान अवधि, एक जैसी कोडिंग पद्धति और कंपनियों की रिपोर्टिंग सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण आवश्यक होगा। मूल अध्ययन में इन चरों के संबंधों का सांख्यिकीय परीक्षण नहीं किया गया था।

7. निष्कर्ष

मूल अध्ययन चार कंपनियों के ऐतिहासिक प्रकटीकरण में सीएसआर की विविध प्राथमिकताओं को सामने लाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास के साथ-साथ जल, ऊर्जा और अपशिष्ट जैसे पर्यावरणीय विषय भी इन विवरणों का हिस्सा थे। मामलों से यह समझने में सहायता मिलती है कि कंपनियाँ अपनी परिचालन क्षमताओं और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग प्रकार की पहलें प्रस्तुत करती हैं। आगे की तुलनात्मक जाँच में गतिविधि, पहुँच और सत्यापित परिणाम के बीच स्पष्ट भेद रखने से सीएसआर रिपोर्टिंग की गुणवत्ता का अधिक संगत आकलन संभव होगा।

References

[1]. ASOCIO Policy Paper on Corporate Social Responsibility, June 2007, www.asocio.org/policy/Corporate%20Social %20Responsibility.pdf
accessed on December 2, 2011.

2) ASSOCHAM. (2008). 'Corporate Social Responsibility-Towards a Sustainable Future.' AWhite Paper-KPMG in India, p. 10.

3) Berad, N. R. (2011). 'Corporate Social Responsibility: Issues And Challenges In India.' Proceedings of International Conference on
Technology and Business Management, Dubai, 28-30 March, 2011, p.107.

4) BHEL. (2011). 'Annual Report 2010-11'.BHELPublication, New Delhi, pp. 10-15.

5) Brien, C. (2011). 'Integrating Corporate Social Responsibility with Competitive Strategy.' The Centre for Corporate Citizenship at Boston
College, USA, p. 13.

6) Bron, P. S., and Vrioni, A. B. (2001). 'Corporate Social Responsibility And Cause Related Marketing - An Overview.' International Journal
of Advertising, Volume 20, pp. 209-214.

7) Burritt, R., Schaltegger, S., & et.al. (2011). 'Environmental Management Accounting and Supply Chain Management.' Corporate Social
Responsibility and Competitiveness, Springler Publishers, New York, pp. 153-154.

8) Carroll, A. B. (1991). 'The Pyramid of Corporate Social Responsibility: Toward the Moral Management of Organizational Stakeholders.'
Business Horizons, p. 42.

th 9) Cherunilam F. (2006). 'Business Environment.' Himalaya Publishers, Mumbai, 17 Edition, p.157.

10) Coca-Cola India. (2011). 'Sustainability Review Report 2009.' Coca Cola India Publication, Gurgaon, pp. 3-34.

11) Coca-Cola India. (2012). 'Sustainability Review Report 2010.' Coca Cola India Publication, Gurgaon, pp. 16-41.

12) Cramer, J. (2003). 'Learning About Corporate Social Responsibility: The Dutch Experience.'IOS Publication, Netherland, p. 1.

13) Crane, A., and Matten, D. (2007). 'Business Ethics: Managing Corporate Citizenship And Sustainability.' Oxford University Press, New
Prabandhan : Indian Journal of Management • January 2013 47
York, 2nd Edition, pp. 20-21.

14) Crane, A., McWilliams, A., & et al. (eds.) (2008). 'Corporate Social Responsibility In Developing Countries.' The Oxford Handbook Of
Corporate Social Responsibility, Oxford University Press, p. 474.

15) CREM Report. (2004). 'Corporate Social Responsibility In India, Policy and Practices of Dutch Companies.' nr. 03.650, Amsterdam
(Netherland), February 2004, pp. 13-28.

16)CSR and Community Development,
http://www.cii.in/Sectors.aspx?
enc=prvePUj2bdMtgTmvPwvisYH+5EnGjyGXO9hLECvTuNugJuO 9h/k9vnVi/+uRQjYe accessed on
October 24, 2012.

17) Environmental Management Centre. (2005). 'Research Capsule: The Status of Corporate Social Responsibility in India - A Note.' May
2005, p. 2.

18) Health, Environment and Safety Policy, BHEL, retrieved from http://www.bhel.com/healthsafety/global_compact.php accessed on May 4,
2012.

19) Lee, S. (2010). 'Corporate Social Responsibility in India.' A Case Study for the Oxford-Achilles Working Group on Corporate Social
Responsibility, pp. 3-4.

20) Marrewijk, M. V. (2003). 'Concepts and Definitions of CSR and Corporate Sustainability: An Agency…' Journal of Business Ethics,
Volume 44, Number 2, p. 102.

21) Meehan, J., Meehan, K. & et al. (2006). 'Corporate Social Responsibility- The 3C SR Model.' International Journal of Social Economics,
Vol. 33, Number 5/6, pp. 386-391.

22) Montiel, I. (2008). 'Corporate Social Responsibility and Corporate Sustainability: Separate Pasts Common Futures.' Organization and
Environment, Volume 21, Number 3, pp. 245-269.

23) Norwegian Ministry of Foreign Affairs. (2009). 'Corporate Social Responsibility In A Global Economy.' Report No.10 (2008-09) To The
Storing, Norwegian Ministry Of Foreign Affairs, p. 81.

24) Potts, J. (ed.) (2007). 'Corporate Social Responsibility: An Implementation Guide For Business.' International Institute for Sustainable
Development, Canada, p. 4.

25) Shah, S. (2011). 'Corporate Social Responsibility at Wipro Ltd. - A Case Study.' Prabandhan: Indian Journal of Management, Volume 4,
Number 8, p. 10.

26)Social Responsibility, The Importance of Social Responsibility, Vinsign, retrieved from
http://socialresponsibility.vinsign.com/importance-social-responsibility.html , accessed on June 21, 2012.

27) Srivastava, R. K. & Giridharan, P. T. (2008). 'Sustainability Reporting.' The Accounting World, Number 3, p. 7.

28) TCS. (2011). 'Annual Report.' 2010-11. TCS Publication, Mumbai, pp. 14-24.

29) TCS. (2011). 'Corporate Sustainability Report.' 2010-11. TCS Publications, Mumbai, pp. 6-58.

30) Thomas, G., and Nowak, M. (2005). 'Corporate Social Responsibility - ADefinition.' Equis Accriditation, Hong Kong, p. 3.

31) Uddin, M. B., Hass, M. T. & et al. (2008). 'Three Dimensional Aspect of Corporate Social Responsibility.' Journal of Business and

Economics, Vol. 3, Number 1, pp. 205-207.
32) Werther, W. B., Chandler, D. (2011). 'Strategic Corporate Social Responsibility : Stakeholders in Global Environment.' United States of
America, Sage Publications, p.7.
33) Welford, R. (2003). 'Corporate Social Responsibility In Europe And Asia - Critical Elements And Practice.' Corporate Government
Environment Programme, University of Hong Kong, Report No.5, May 2003, p. 2.
34) Winston, M. (2002). 'NGO Strategies For Promoting Corporate Social Responsibility.' Ethics and International Affairs, Volume 16,
Number 2, p. 76.
35) Wipro. (2011). 'Annual Report.' 2010-11, Wipro Publication, Bangalore, pp. 10-65.
36) Wipro. (2011). 'Wipro's Sustainability Report.' 2009-10, Wipro Publication, Bangalore, pp. 98-175.
37) Wipro. (2012). 'Wipro's Sustainability Report.' 2010-11, Wipro Publication, Bangalore, pp. 66-102.